

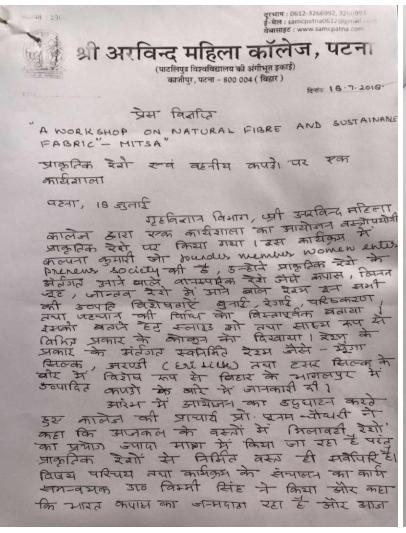
Sri Arvind Mahila College, PatnaAccredited by NAAC with B⁺ Grade

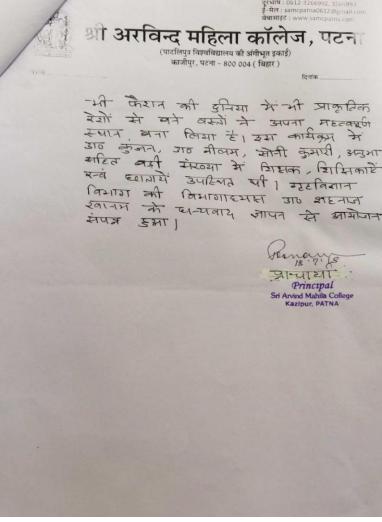


(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

A workshop on natural fibre & sustainable fabric

Date	No. of students enrolled	Organizing Department
18-07-2018	88	Home Science

















कॉलेज छात्रा रंगाई व ह

🔾 रविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं के लिए वस्त्रों प्रयोगी प्राकृतिक रेशो पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं को वस्त्रीं के बारे में जानकारी कल्पना कमारी ने दी। उन्होने छात्राओं को बताया कि किस प्रकार प्राकृतिक सामान का उपयोग कर हम एक सुंदर और स्टाइलिश कपड़ों का निर्माण कर सकते हैं। उन्होने प्राकृतिक रेशों के अंदर आने वाले सारे रेशे जैसे कपास, लिनन, जूट, जान्तव की विशेषता बताते बुनाई, रंगाई और डिजाइन में इनके उपयोग की तरकीब बताई। कार्यक्रम के दौरान कल्पना ने कुछ प्रयोग कर दिखाया कि किस प्रकार नए-नए प्रयोग कर के हम नए तरीके की डिजाइन बना सकते हैं। मौके पर कॉलेज की प्राचार्य पनम चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यशाला के लिए बहुत जरूरी है।



आज की दुनिया फैशन सॉट्रिक है। हम फैशन को नवसे अधिक महत्व देते हैं। टीवी चैनलों और फल्म के एक्टर को देख हम भी उनकी तरह कपड़े हनना पसंद करते हैं। उनके पहने हुए स्टाइल के प्पढ़े मार्केट में तो आसानी से मिल जाते है लेकिन होता है। इन्हों कपड़ों के बीच का फर्क बताने के लए अरबिंद महिला कॉलेज में प्राकृतिक रेश पर प्रयोशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रीमेन इंटरप्रन्योर संस्माद्री की मेंबर कहपना कुमारी बताया कि प्राकृतिक रेशों के अंतर्गत आने वाले गया। रेशम के प्रकार के अंतर्गत लेकिन प्राकृतिक रंगों से बना हुआ हपास, लिनन, जूट से बने कपड़े शरीर के लिए स्विनिर्मत रेशम जैसे मूंगा, सिल्क, नाभदायक होते हैं।

अकसर देखा जाता है कि लोग अच्छे कपड़ों जानकारी दी। इसके साथ ही बिहार ही चाहत में बड़े-बड़े बांड के नाम पर भरीमां के भागलपुर में उत्पादित कराड़ों ने कहा कि भारत कपास का हतते हैं। सिर्फ बांड का नाम देख कर ही कपड़ों के बारे में बताया गया। उन्होंने जन्मदाता रहा है। आज भी फैशन हो खरीद लेते हैं। हर दूकानदार कराड़े को झांडेड बताया कि कुछ कपड़े स्वास्थ्य की दुनिया में प्राकृतिक रेशों से बने है बताता है। लोग सही से पहचान नाहीं कर पाते के लिए हानिकारक होते हैं तो कुछ कपड़ी ने महत्वपूर्ण जगह बना ली और धोखा खा जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि ब्रांड लाभदायक, इसे हमें परखने की र ना जाकर उनकी क्वालिटी को देखे। उन्होंने जरूरत है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. डॉ.नीलम, सोनी कुमारी, अनुमा व हें. मी जीवनर उनका क्वालाट का देखा उनेन जन्मा का बाता का प्राचक का उनकाम, तथा बुनाए, जन्मा व काड़ों की बुच्चां, राह्वें और प्रवचन की विधिय की पुन्त को मोरीर ने कहा कि आकरता न बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाई सत्तारमूर्ण बहाया। स्लाइट शो व विभिन्न तथा के के कराड़ों में मिलावटी रेशों का व खारावा उपस्थित की अत में डॉ. कित को दिखाया कर बनाने के लिए भी सिखाया प्रयोग ज्यादा किया जा रहा है, शहनाज खान ने धन्यवाद दिया।



कपड़ा ही अच्छा है। इन कपड़ों अरडी और तसर सिल्क के बारे में में संदरता के साथ ही एक अलग जन्मदाता रहा है। आज भी फैशन कपड़ों ने महत्वपूर्ण जगह बना ली है। इस कार्यक्रम में डॉ. कुंजन,



ो दुनिया में प्राकृतिक यम है। इस तरह के इसके वास्तिक प्रीक्रिया के बारे

मागाध्यक्ष हो

अरविंद महिला कॉलेज में बुधवार को गृहविज्ञान विभाग की कार्यशाला में शामिल छात्राएं। • 8-दुस्तन



• दहेन को न कहने के। गंग देवी महिला कॉलेज में बुधवार को शराबबंदी और दहेज बंदी में मतिलाओं की भूमिका पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवाद सैन व अपूर्विस, प्रेम पूर्व कार्यक्रम जीर पहल कि के ब्रेव किया गया। कार्यक्रम का उद्घादन मुख्य अधिक का उद्घादन मुख्य अधिक के प्रोत्त प्राचित्र मान्य एक्स सिक्स और गुलिस महिन्दिक पुरोवस सीक्स देखे अलाकर किया सीमार की अध्यक्ष कार्येण के प्राच्या दी. स्थाम एक्स ने जबकि संबलन प्रेम जी ने किया। अस्तार पर गुलेक्स सोक्स ने आप्राच्या ते । अवसर पर आई : अपर पुलिस अधीर कंकड़बाग के धा प्तिश्वर पांडेय ने छात्राओं को अपील करते हुए कहा कि हमारा काम समाज में चोर पैदा न होने देने का भी है जिसमें सहित सभी क्षेत्र